DECLARATION

I hereby declare that the entire work incorporated in the present thesis titled "भारतीय जीवन बीमा निगम की विभिन्न बीमा उत्पादों की प्रभावशीलता का एक आलोचनात्मक अध्ययन " is my own work and is original. This work (in part or in full) has not been submitted to any university for the award of a Degree or a Diploma.

Dated.....
Place.....

(SANTOSH KUMAR)
Research Scholar

आभार

स्नातकोत्तर वाणिज्य की परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपरान्त मेरी प्रबल इच्छा शोध छात्र के रूप में कार्य करने की हुई। इसमें श्रद्धेय **गुरूवर प्रोफेसर गोपीनाथ ,** विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के समक्ष प्रतिश्रुत हुआ और उनके कुशल निर्देशन में नवम्बर 2010 में मैंने अपना शोध पंजीयन शीर्षक**"भारतीय जीवन बीमा निगम की विभिन्न बीमा उत्पादों की प्रभावशीलता का एक आलोचनात्मक अध्ययन "** पर कार्य के लिए निर्देशित करते हुए अपना बहुमूल्य समय देकर मेरे शोध कार्य को पूर्ण कराये। उन्होंने मेरे शोध यात्रा की जटिलताओं तथा क्लिष्टताओं का समाधान क्षणिक में करते हुए मेरे शोध मार्ग की समग्र बाधाओं को जिस सहृदयता से आदरणीय गुरूवरेण्य **प्रोफेसर गोपीनाथ जी** ने पूर्ण कराया, ऐसे व्यक्तित्व का मैं चरण वन्दन करता हूँ। यदि उनका निर्देशन न मिलता तो शायद मैं अपना शोध कार्य पूर्ण नहीं कर पाता। मैं उनके पुत्रवत स्नेह एवं प्यार, आशीर्वाद, सहयोग व उपयुक्त मार्गदशर्न के लिए अपना हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। हार्दिक कृतज्ञता को शब्दों में अभिव्यक्त कर पाना मेरे लिए सम्भव नहीं है। यह मात्र औपचारिकता ही होगी। आपका मृदु व्यवहार स्नेह पूरित व्यक्तित्व मुझे प्रगति के पथ पर अग्रसर होने हेतु निरंतर प्रेरित करता रहेगा। साथ ही अपने गुरूमाता के प्रति भी शोध कार्यों के साथ ही साथ शैक्षिक उन्नयन के निमित सद्मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करता हूँ।

मैं वाणिज्य विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के सभी गुरूजनों प्रोफेसर एम0सी0 गुप्ता जी, प्रोफेसर श्रीवर्धन पाठक जी ,प्रोफेसर अवधेश कुमार तिवारी जी, प्रोफेसर वी0के0 पाण्डेय जी, प्रोफेसर आनन्दसेन गुप्ता जी, श्री एच0एस0 वाजपेयी जी, प्रोफेसर संजय बैजल जी, प्रोफेसर आशीष कुमार श्रीवास्तव जी, प्रोफेसर अजेय गुप्ता जी, प्रोफेसर आर0पी0 सिंह जी, प्रोफेसर राजीव प्रभाकर जी, प्रोफेसर संजीत गुप्ता जी, प्रोफेसर अनिल यादव जी के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने मेरा समय–समय पर मार्गदर्शन किया, ऐसे गुरू के प्रति मैं नतमस्तक हूँ।

मैं वाणिज्य विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्रोफेसर श्रद्धेय गुरूवर प्रो0 टी0पी0एन0 श्रीवास्तव पूर्व विभागाध्क्ष वाणिज्य विभाग का

हृदय से अभारी हूँ, जिनके कार्यकाल में शोध कार्य करने की अनुमति मिली तथा समय– समय पर मार्गदर्शन किया।

इसी के साथ मैं वाणिज्य विभाग में कार्यरत वरिष्ठ लिपिक श्री अजय कुमार गौतम तथा वरिष्ठ सहायक श्री संजीत कुमार भारती तथा अन्य कर्मचारियों के प्रति अभार व्यक्त करता जिन्होने सदैव मेरा सम्मान एवं आदर किया तथा शोध कार्य को पूर्ण करने के लिए उत्साहवर्द्धन किया है।

शोध कार्य के दौरान भारतीय जीवन बीमा निगम के मण्डल कार्यालय गोरखपुर एवं मण्डल कार्यालय के अन्तर्गत आने वाले सभी शाखाओं के अधिकारियों कर्मचारियों एवं बीमा अभिकर्ताओं तथा निजी जीवन बीमा निगम के अभिकर्ताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ जिन्होनें प्रत्यक्ष एव अप्रत्यक्ष रूप से मेरी सहायता की हैं।

मैं केन्द्रीय ग्रंथालय दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में कार्यरत पुस्तकालय सहायक श्री मुकेश कुमार पाण्डेय जी का भी आभारी हूँ जिन्होने शोध से सम्बन्धित साहित्यों एवम् ग्रन्थो के बारे में सूचना प्रदान कर मेरा सहयोग किया।

मैं विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं अन्य सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों के उन सभी लोगो के प्रति अभार प्रकट करता हूँ, जिन्होनें अपने ग्रन्थालयों मे अध्ययन करने की अनुमति प्रदान की।

शोध सफलता में मैं अपने पूज्यनीय पिताजी श्री गनेश प्रसाद एवं आदरणीय माताजी श्रीमती बन्सराजी देवी के स्नेह आशीषवर्धन करता हूँ, जिन्होंने आर्थिक रूप से सम्पन्न न रहते हुए भी शोध करने के लिए प्रोत्साहित किया एवं महत्वाकांक्षी बनाया और मैं ज्ञान की दिशा में इतना दूर तक आ सका, मै उन्हें बार–बार प्रणाम करता हूँ। मैं इन लोगों के चरण रज का आकांक्षी हूँ, यही मेरे शोध एवं जीवन की सफलता होगी। मैं अपनी छोटे भ्राताओं अमित कुमार और सुमित कुमार एवं बड़ी बहन श्रीमती नीलम और जीजा श्री शैलेष कुमार के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने समय–समय पर मेरे शोध कार्य में और विभिन्न प्रत्येक कार्यों में मेरी सहायता की तथा शोध के दौरान अनेक असुविधाओं को झेलते हुए मुझे अपना कार्य समय पर करने के लिए प्रोत्साहित करते रहे एवं मेरे मनोबल को बनाए रखा, इनका मैं आजीवन ऋणी रहूँगा।

अन्त में मैं अपने प्रिय भानजे नीलेश कुमार को जिसने अपने चंचलता एवं बाल व्यवहार से हम सभी लोगों का मनोंरंजन करता रहा है को स्नेह और आशीष प्रदान करता हूँ।

मैं अपने मित्रों बृजवास कुशवाहा, प्रवीण सिह चौहान, अमित कुमार तिवारी, डॉ नीलकमल, डॉ बृजेश कुमार, श्री सरवर अहमद, सोविन्द कुमार, अंकित कुमार तिवारी, चन्द्र प्रकाश दूबे , भुवनेश्वर कुमार प्रजापति ,रोजेश कुमार एवं अपने सभी अन्य मित्रों तथा शुभ चिन्तकों का आभरी हूँ, जिनके सहयोग के बिना यह शोध कार्य सम्भव नहीं था।

मैं उन सभी उत्तरदाता बीमा अभिकर्ताओं का आभारी हूँ, जिन्होंने अपने व्यस्त समय में मेरी प्रश्नावली में पूछे गये प्रश्नों को ध्यानपूर्वक सुनकर एवं पढ़कर उत्तर दिया, जिससे मेरे शोध कार्य हेतु प्राथमिक समंक प्राप्त हुए। साथ ही साथ मैं उन सभी ज्ञात एवं अज्ञात सुहृदयी बन्धुजनों का, जिन्होंने मुझे कहीं न कहीं विभिन्न माध्यमों से मेरे शोध यात्रा में अपना सहयोग एवं आशीष प्रदान किया है।

स्थान–गोरखपुर

दिनाँक .....

विनीत

.....

सन्तोष कुमार